SAMPLE QUESTION PAPER - 3

Hindi A (002)

Class IX (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** [7]

मृत्यु अर्थात् यमराज के घर का मार्ग सचमुच बड़ा भयावना था। नचिकेता ने देखा कि अपने-अपने कर्मों के कारण लोग मृत्यु से किस तरह घबराते हैं। हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं से लोगों का मन इतना भयभीत है कि सारे मार्ग में हाहाकार मचा हुआ है। कोई अपने पुत्र के लिए रो रहा है तो किसी को पत्नी के वियोग का दुःख है। परन्तु नचिकेता को तो सचमुच अपूर्व आनन्द मिल रहा था। प्रसन्नता और उत्साह के साथ उसने मार्ग की सारी कठिनाइयों का अन्त कर दिया। पिता की आज्ञा के पालन करने में उसे जो शान्ति मिल रही थी, वह भूलोक के मायाग्रस्त जीवन में कहीं नहीं थी। निर्भीक नचिकेता जिस समय मृत्यु के द्वार पर पहुँचा, उस समय संयोग से यमराज कहीं बाहर गए हुए थे। अतः द्वारपालों ने उसे भीतर घुसने की अनुमति नहीं दी। विवश होकर उसे बाहर एक वृक्ष के नीचे सुन्दर चबूतरे पर बैठकर यम की प्रतीक्षा करनी पड़ी।

1. लोगों का मन भयभीत क्यों है? (1)
   (क) मृत्यु के भय के कारण
   (ख) पुत्र या पत्नी वियोग के कारण
   (ग) यमराज के डर के कारण
   (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण
2. वृक्ष के नीचे नचिकेता को किसकी प्रतीक्षा करनी पड़ी? (1)
   (क) यमराज की
   (ख) पिता की

(ग) अन्य लोगों की
(घ) द्वारपालों की

3. भूलोक का समानार्थी शब्द बताइए। (1)
(क) स्वर्ग लोक
(ख) पृथ्वी लोक
(ग) नर्क लोक
(घ) यम लोक

4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण किस दशा में देखा? (2)

5. यमराज के निवास की ओर जाते हुए नचिकेता आनंद का अनुभव क्यों कर रहे थे? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** [7]

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।

I. धरती और आकाश किसके कारण झुकने को विवश हुए हैं? (1)
i. भाग्य के कारण
ii. आंधी के कारण
iii. परिश्रम के कारण
iv. तूफ़ान के कारण

II. 'नर - समाज' में कौनसा समस है? (1)
i. अव्ययीभाव समास

Vineet Coaching & Guidance Centre Aligarh

ii. द्वंद्व समास

iii. तत्पुरुष समास

iv. द्विगु समास

III. भाग्यवाद को किसका हथियार कहा गया है? (1)

i. दूसरों का शोषण करने का अस्त्र

ii. दूसरों की सहायता करने का अस्त्र

iii. दूसरों की सेवा करने का अस्त्र

iv. सभी विकल्प सही हैं

IV. भाग्यवादी सफलता के बारे में क्या मानते हैं? (2)

i. भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।

ii. कर्म करने पर सफलता मिलती है।

iii. परिश्रम करने पर सफलता मिलती है।

iv. मेहनत करने पर सफलता मिलती है।

V. काव्यांश में निहित संदेश क्या है? (2)

i. भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।

ii. परिश्रम का सहारा त्याग कर भाग्य पर भरोसा करना।

iii. भाग्य और परिश्रम का सहारा लेना।

iv. भाग्य और परिश्रम का त्याग करना।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** **[4]**

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. बावजूद

ii. आग्रह

iii. सत्कार

निम्नलिखित मूल शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनने वाले शब्द लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. वाक्य + ओं

ii. प्रति + याँ

iii. कन् + इष्ठ

4. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए और उपयुक्त समास का नाम भी लिखिए। **[4]**

i. यथासाध्य (विग्रह कीजिए)

ii. पंसेरी (विग्रह कीजिए)

iii. मुख ही है चन्द्रमा (समस्त पद लिखिए)

iv. प्राप्त है उदक जिसको (समस्त पद लिखिए)

v. तीन लोकों का समाहार (समस्त पद लिखिए)

5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **[4]**

i. कृपया शांति बनाये रखें। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**

ii. दशरथ अयोध्या के राजा हैं। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**

iii. रश्मि आग लगाती है। **(प्रश्नवाचक वाक्य)**

iv. मोनिका लड़ाई कर रही है। **(संदेहवाचक वाक्य)**

v. क्या समीर हँस रहा है। **(इच्छावाचक वाक्य)**

6. निम्नलिखित काव्यांशों में से **किन्हीं चार** के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए - **[4]**

i. चमक रही चपला चम चम

ii. मधुर मधुर मुस्कान मनोहर, मनुज वेश का उजियाला

iii. केकी रव की नुपुर ध्वनि सुन, जगती जगती की मूक प्यास।

iv. भजन कह्यौ तातें भज्यौ, भज्यौ न एक बार। दूरि भजन जातें कयौ, सो नैं भज्यौ गँवार ।।

v. माया महाठगनी हम जानी, त्रिगुण फ़ांस लिए कर डोले बोले मधुर वाणी।।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे-हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते, ये हम नहीं सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गर्दन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज़्यादा-से-ज़्यादा बोझ मेरी ही गर्दन पर रहे।

(i) झूरी काछी के दोनों बैल किस जाति के थे?

क) पछाईं जाति के　　ख) साहीवाल जाति के

ग) लाल सिंधी जाति के　　घ) गिर जाति के

(ii) हीरा-मोती में कौन-सी गुप्त शक्ति थी?

क) मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

ख) परस्पर वार्तालाप की

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) भारी से भारी वजन को उठा लेने की

(iii) **जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित हैं** कथन से लेखक का क्या आशय है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) मनुष्य परस्पर बिना कहे एक-दूसरे की बात समझ लेते हैं

ग) सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

घ) मौन होकर भी एक-दूसरे के मन की बात समझना मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है

(iv) हीरा-मोती अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे?

क) एक-दूसरे से सींग मिलाकर

ख) एक-दूसरे को सूँघकर

ग) सभी

घ) एक-दूसरे को चाटकर

(v) हीरा-मोती में समर्पण का भाव कैसे था?

क) गाड़ी में रखा सामान जल्दी-से-जल्दी घर पहुँचाया जाए

ख) गाड़ी का ज्यादा-से-ज्यादा भार दूसरे पर पड़े

ग) संकट में एक-दूसरे की मदद करते थे

घ) गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) भिक्षु नम्से की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए। **[2]**

(ii) 'साँवले सपनों की याद' पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है? **[2]**

(iii) महादेवी वर्मा ने मिशन स्कूल में जाना क्यों बंद कर दिया? **[2]**

(iv) 'तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे' के माध्यम से लेखक हरिशंकर परसाई क्या कहना चाहता है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।।

(i) पद्यांश के अनुसार, काबा-काशी किसके लिए समान होते हैं?

क) अज्ञानी लोगों के लिए
ख) ज्ञानी लोगों के लिए
ग) कट्टरपंथी लोगों के लिए
घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ii) राम, रहीम कैसे हो गए?

क) धर्मों के बीच भेदभाव करते ही
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही
घ) धार्मिक भावना आहत होते ही

(iii) मोट चून मैदा भया' से क्या भाव है?

क) आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं
ख) मैदा और चून में कोई अंतर नहीं होता
ग) चून मोटा होता है और मैदा पतला
घ) चून को बारीक पीसकर मैदा बनाया जाता है

(iv) प्रस्तुत साखी से कबीर का क्या उद्देश्य है?

क) सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना
ख) हिंदू और मुसलमानों के लिए कार्य करना
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) हिंदू-मुसलमानों में धार्मिक भेदभाव बताना

(v) यहाँ **जीम** शब्द का क्या अर्थ है?

क) गेहूँ
ख) खाना
ग) सांप्रदायिकता
घ) पीना

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कवि के लिए बच्चों का काम पर जाना चिंता का विषय क्यों बन गया है? बच्चे काम पर जा रहे हैं? कविता के आधार पर लिखिए। **[2]**

(ii) काव्य-सौन्दर्य लिखिए- **[2]**
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(iii) कवयित्री ललद्यद किसे साहब मानती है? वह साहब को पहचानने का क्या उपाय बताती है? [2]

(iv) ग्राम श्री कविता में जिस गाँव का चित्रण हुआ है वह भारत के किस भू-भाग पर स्थित है? [2]

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** [8]

(i) **इस जल प्रलय में** पाठ में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़कर आप कैसा अनुभव करते हैं? किसी एक प्रसंग का संक्षिप्त उल्लेख करके लोगों की व्यथा पर प्रकाश डालिए तथा उनके प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त कीजिए। [4]

(ii) मेरे संग की औरतें पाठ के अनुसार आप अपनी कल्पना से लिखिए कि परदादी ने पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यों माँगी? [4]

(iii) **उमा का स्वर आज की नारी का स्वर है।** इस कथन के आलोक में **रीढ़ की हड्डी** पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए। [4]

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** [6]

(i) **ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- कमियाँ
- सुझाव

(ii) **इंटरनेट : सूचनाओं की खान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- तकनीक का अद्‌भुत वरदान
- इंटरनेट क्रांति
- सूचना स्रोत
- प्रयोग के लिए सजगता

(iii) **याद आता है विद्यालय का प्रांगण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- विद्यालय की मस्ती

Street Coaching & Guidance Centre Aligarh

- मित्रों का साथ
- कक्षा की पढ़ाई

13. आप 27/6-बी, क.ख.ग. नगर के निवासी राधेश्याम/रुक्मिणी हैं। आपके मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु घूमते रहते हैं। उनकी वजह से न सिर्फ मोहल्लेवासियों को कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है बल्कि वे पशु भी कई समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस समस्या की जानकारी दीजिए और उचित कदम उठाने का अनुरोध कीजिए। **[5]**

अथवा

आपके मित्र के पिताजी ने नया मकान बनवाया है, परन्तु, आप गृह-प्रवेश पर पहुँचने में असमर्थ है, इसलिए इस सुअवसर पर अपने मित्र को शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

14. छात्रों के लिए अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को xyzschool@gmail.com पर एक ईमेल लिखिए। **[5]**

अथवा

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे विषय पर एक लघुकथा लिखिए।

15. परीक्षा से पहले परीक्षा भवन के बाहर दो छात्रों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए। **[4]**

अथवा

आप नीरज/नीरजा हैं और नव संस्कृति विद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष/की अध्यक्षा हैं। विद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा मनाए जाने की जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

Vinet Coaching & Guidance Centre Aligarh

VCGC
IIT | NEET | FOUNDATION

Today is your
OPPORTUNITY to build the
TOMORROW you want.

ADMISSIONS OPEN

Session 2024-25

for

AMU XI ENTRANCE

Science / Diploma / Commerce / Humanities

Batches Starting Soon

Vineet Coaching & Guidance Centre

VCGC Tower, Phase I, ADA Colony, Ramghat Road, Aligarh-202001 (UP)
website : www.vcgc.in | E-Mail : vcgc.official@gmail.com

8923803150, 9997447700

@vcgc.aligarh @vcgc_aligarh @VCGC Aligarh VCGC Online VCGC Online App

XI AMU ENTRANCE RESULTS 2023-24

Aakash Gaur

Kanika Garg

Riddhima Tomar

Tanmay Mudgal

Aastha Sharma

Ayush Senger

Prabhat Singh

Anubhav Gupta

Akash Basu

Shaurya Gangal

Abhishek Gaur

Rudraksh Chaudhary

Aryan Tiwari

Pakhi Garg

Rashi Singh

Ragini Singh

Pratishtha Sharma

Aaliya Singh

Kanika Singh

Yashika

Manav Kushwaha

Saloni Chaudhary

Ayushi Dhanger

Ayushi Gautam

Mugdha Singh

Afifa Malik

Khushi Varshney

Bhoomi Agarwal

Sanchi Popli

Shubhi Awasthi

Prisha Tanwar

Khanak

Sanyogita

Aakashi Sharma

Ipshita Upadhyay

Yashi Vashishtha

Divya Singh

Karnika Singh

Harshit Chaudhary

Vivek Gautam

Lalit Dhangar

Prachi Singh

Harshit Raghav

Srishty

Vanshika Garg

Aman Varshney

Pranjal Tiwari

Priyanshi Dhangar

Purnank Nandan

and many more...

8923803150, 9997447700

@vcgc.aligarh @vcgc_aligarh @VCGC Aligarh VCGC Online VCGC Online App

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 3

Hindi A (002)

Class IX (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   2. (क) वृक्ष के नीचे नचिकेता को यमराज की प्रतीक्षा करनी पड़ी क्योंकि वे बाहर गए हुए थे।
   3. (ख) पृथ्वी लोक
   4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   5. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।
2. I. (iii) परिश्रम के कारण
   II. (ii) द्वंद्व समास
   III. (i) दूसरों का शोषण करने का अस्त्र
   IV. भाग्यवादी सफलता के बारे में मानते हैं कि भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।
   V. काव्यांश में निहित संदेश क्या है कि भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना चाहिए।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. उपसर्ग
   i. बावजूद = 'बा' उपसर्ग और 'वजूद' मूल शब्द है |
   ii. आग्रह = 'आ' उपसर्ग और 'ग्रह' मूल शब्द है |
   iii. सत्कार = 'सत्' उपसर्ग और 'कार' शब्द है |

   प्रत्यय
   i. वाक्य + ओं = वाक्यों
   ii. प्रति + याँ = प्रतियाँ
   iii. कन् + इष्ठ = कनिष्ठ
4. i. यथासाध्य = जितना साधा जा सके/ जो साध्य हो (अव्ययीभाव समास)
   ii. पंसेरी = पांच सेरों का समूह / पाँच सेरो का समाहार (द्विगु समास)
   iii. मुख ही है चन्द्रमा = मुखचन्द्र - (चंद्रमा के समान मुख) (कर्मधारय समास)
   iv. प्राप्त है उदक जिसको = प्राप्तोदक (बहुब्रीहि समास)
   v. तीन लोकों का समाहार = त्रिलोक (तीन लोकों का समूह) (द्विगु समास)
5. i. आज्ञावाचक वाक्य
   ii. विधानवाचक वाक्य
   iii. क्या रश्मि आग लगाती है?
   iv. संभवतः मोनिका लड़ाई कर रही होती। अथवा शायद मोनिका लड़ाई कर रही है।
   v. काश समीर हँस रहा हो।
6. i. अनुप्रास अलंकार
   ii. अनुप्रास अलंकार
   iii. यमक अलंकार

BEST OF LUCK @vcgc.aligarh @vcgc_aligarh @VCGC Aligarh VCGC Online VCGC Online App

iv. यमक अलंकार
v. श्लेष अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे-हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते, ये हम नहीं सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गर्दन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज़्यादा-से-ज़्यादा बोझ मेरी ही गर्दन पर रहे।

(i) **(क)** पछाईं जाति के

व्याख्या:

पछाईं जाति के

(ii) **(क)** मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

व्याख्या:

मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

(iii)**(ग)** सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

व्याख्या:

सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

(iv)**(ग)** सभी

व्याख्या:

सभी

(v) **(घ)** गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

व्याख्या:

गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) नम्से बौद्ध भिक्षु थे। वे बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। वे शेकर विहार नामक जागीर के प्रमुख भिक्षु थे। वे जागीर में खेती करते थे। दूसरे प्रबंधक भिक्षुओं की तरह जागीर में उनका बहुत मान-सम्मान था। अपने नाम के अनुरूप ही उनका स्वभाव था। वे बहुत अच्छे इंसान थे। अहंकार तो उनमें नाम-मात्र का भी नहीं था । वे विनम्र स्वभाव के थे । वे जागीर के प्रमुख भिक्षु थे, जिसे राजा के

समान मान प्राप्त था । लेखक उनसे भिखमंगों की वेशभूषा में मिला। लेखक को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि भिखारी के वेश में भी उन्हें सम्मान मिलेगा पर उन्होंने लेखक से प्रेमपूर्वक मुलाकात की और उन्हें उचित मान-सम्मान दिया।

(ii) 'साँवले सपनों की याद' पाठ हमें सिखाता है कि हमें पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए। साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए। प्रकृति को प्रदूषण से बचाना चाहिए और उनका असीमित दोहन नहीं करना चाहिए। पाठ प्रकृति को हरा-भरा तथा समृद्ध बनाए रखकर प्रकृति से निकटता बनाने की भी सीख देता है।

(iii) महादेवी वर्मा ने बचपन में अपनी माँ के संपर्क से संस्कृत और पंचतंत्र पढ़ा। उनकी विशेष रूचि हिंदी और संस्कृत में थी। लेखिका को भी अपनी माँ के साथ पूजा-पाठ पर बैठकर संस्कृत सुनना अच्छा लगता था। लेखिका का जब मिशन स्कूल में दाखिला कराया गया तो वहाँ का वातावरण बिल्कुल भिन्न था। वहाँ अंग्रेजी में प्रार्थना होती थी, विद्यालय में ईसाई लड़कियां ज्यादा थीं । अतः वहाँ उनका मन नहीं लगा और उन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया।

(iv) इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने साहित्यकार प्रेमचंद की गरीबी एवं खराब स्थिति पर व्यंग्य किया है। प्रेमचंद उच्चकोटि के साहित्यकार थे, जिन्हें टोपी की तरह सिर पर धारण किया जाना चाहिए था। उन्हें भरपूर सम्मान मिलना चाहिए था। , पर समाज में टोपी के बजाए जूते की कीमत अधिक आँकी जाती थी। जो सम्मान के पात्र नहीं है उन्हें मानसम्मान दिया जाता है। यहाँ तो स्थिति यह है कि टोपी को जूते के सामने झुकना पड़ता है। प्रेमचंद की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वे अपने दैनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी कठिनाई से कर पाते थे। साहित्यकार होने के बाद भी उस समय समाज के कथित ठेकेदारों ने उनके सामने अनेक कठिनाई खड़ी की हुई थी।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।।

(i) **(ख)** ज्ञानी लोगों के लिए

व्याख्या:

ज्ञानी लोगों के लिए

(ii) **(ग)** धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही

व्याख्या:

धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही

(iii) **(क)** आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं

व्याख्या:

आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं

(iv)**(क)** सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना

व्याख्या:

सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना

(v) **(ख)** खाना

व्याख्या:

खाना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कवि के लिए बच्चों का काम पर जाना चिंता का विषय इसलिए बन गया है क्योंकि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। जिस उम्र में उन्हें खेल-कूदकर अपने बचपन जीने का आनंद लेना चाहिए और स्वयं को स्वस्थ और सबल बनाना चाहिए , उस उम्र में वे काम करके अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। उन्हें तो पढ़-लिखकर योग्य नागरिक बनना चाहिए न कि काम करना चाहिए।

(ii) **काव्य-सौंदर्य:**

भाव-सौंदर्य- गाँव में मेघ रूपी बादलों के आने का सजीव चित्रण किया गया है।

शिल्प-सौंदर्य-

- भाषा आम-बोलचाल के शब्दों से युक्त है जिसमें चित्रात्मकता है।
- सजे-धजे मेहमान द्वारा बादलों को उपमानित करने से उत्प्रेक्षा अलंकार है।
- मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के-मानवीकरण एवं अनुप्रास अलंकार है।

(iii)कवयित्री परमात्मा को साहब मानती है, जो भवसागर से पार करने में समर्थ हैं। वह साहब को पहचानने का यह उपाय बताती है कि मनुष्य को आत्मज्ञानी होना चाहिए। वह अपने विषय में जानकर ही साहब को पहचान सकता है।

(iv)इस कविता में गंगा तटीय किसी गाँव का जिक्र किया गया है। क्योंकि इसमें विस्तृत क्षेत्र पर फ़ैली हरियाली, हरे-भरे खेतों आदि की बात की गयी है तो इससे पता चलता है कि इसमें उत्तरी भारत के मैदानी इलाके का चित्रण हुआ है। उत्तरी भारत का मैदानी इलाका जिसे गंगा का मैदान भी कहते हैं इसी प्रकार का इलाका है जैसा वर्णन इस पाठ में किया गया है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) इस जल प्रलय में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़कर हमें दुःख अनुभव होता है। आम नागरिक के नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि हम बाढ़ पीढ़ितों के बचाव एवं राहत कार्य में सहायता करें। जब पटना में बाढ़ का पानी घुसा तो लोग अपने घरों का सामान ऊँचे स्थानों पर रखने लगे। लेखक को सबसे ज्यादा चिन्ता गैस की थी। यदि गैस खत्म हो गयी तो उसक प्रबन्ध मुश्किल होगा। गनीमत थी कि लेखक के घर में गैस की व्यवस्था पर्याप्त दिनों के लिए थी। लोग अपने-अपने घरों की छत पर ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी आदि लेकर चढ़ गए। आवश्यक दवाईयाँ भी साथ रख लीं। लेखक ने कई बार सोने की कोशिश की परन्तु पानी बढ़ने के साथ ही चारों ओर होने वाले शोर ने उसे सोने न दिया। पानी घुसने से अनेक बीमारियाँ

फैलने का भय था। पटना के अप्सरा हॉल, पैलेस होटल तथा इंडियन एयर लाइंस के दफ्तर में पानी घुस गया था। हरियाली का नामोनिशान मिट चुका था तथा रेडियो और जनसम्पर्क विश्रण की गाड़ियाँ बार-बार चेतावनी दे रही थीं कि लोग सुरक्षित ठिकानों पर चले जाएँ।

(ii) लेखिका की परदादी लीक से हटकर चलने वाली महिला थी। उन्होंने लड़की पैदा होने की मन्नत इसलिए माँगी होगी क्योंकि उस समय ऐसी मन्नत माँगना और सबके सामने बताना अत्यंत साहसपूर्ण कार्य था। ऐसा करके वे सबसे अलग दिखने की चाह रखती होंगी। उनके ऐसा करने का दूसरा कारण यह रहा होगा कि वे स्वयं एक महिला थीं। उन्होंने महिला होकर स्वतंत्र जीवन जिया था तथा अपने जीवन में किसी प्रकार की रोक-टोक नहीं देखी थी, इसलिए महिला होना उनके लिए गर्व की बात थी।

(iii) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का मुख्य उद्देश्य लड़कियों की आवाज़ को समाज के सामने लाना और लड़कियों को दोयम दर्ज का प्राणी मानने वालों को बेनकाब करना है। इस एकांकी की केंद्रीय पात्र उमा उन लोगों की कलई खोल देती है, जो लड़कियों को भेड़-बकरियाँ या फर्नीचर का सामान मानते हैं। उमा लड़कियों के स्वतंत्र व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व करती है। लड़कियों के स्वतंत्र व्यक्तित्व के लिए उनका शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा उनमें आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना संचारित करती है। आज की नारी उमा जैसी शिक्षा प्राप्त कर स्पष्टवादी, निर्भीक एवं चरित्रवान बनना चाहती है। उमा समाज के तथाकथित नकाब लगाए हुए सफ़ेदपोशों की परवाह किए बिना अपनी आंतरिक भावनाओं को स्पष्ट करती है।
वह एक सशक्त चरित्र की शिक्षित एवं समझदार लड़की है, जो अपने युग का प्रतिनिधित्व करती है। वह बिना किसी दबाव में आए लोगों की वास्तविकता को उजागर करती है और अपनी शिक्षा के माध्यम से समाज में प्रचलित कुप्रथाओं एवं रूढ़िवादिता को दूर करने का प्रयास करती है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति**

शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिक्षा एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है सीखना या सिखाना। शिक्षा हम किसी भी माध्यम के द्वारा ग्रहण कर सकते है। शिक्षा मनुष्य को बौद्धिक रूप से तैयार करती है। वैसे ही आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्त करने का एक सरल तरीका है ऑनलाइन शिक्षा। आधुनिक समय में ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली एक वरदान की तरह है। जिसने किसी कारण शिक्षा ग्रहण नहीं की वो ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से नए आयाम हासिल कर सकता है। वर्ष 1993 से ऑनलाइन शिक्षा को वैध शिक्षा माध्यम के रूप में भी स्वीकार किया गया है। जिन्हें प्रयुक्त भाषा में दूरस्थ शिक्षा कहा जाता है। इसमें निर्धारित पाठ्यक्रम को VS/डीवीडी और इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। बड़ी-बड़ी सेवाओं जैसे सिविल सर्विस, इंजीनियरिंग और मेडिकल, बनने आदि की शिक्षा भी आज कई संस्थान ऑनलाइन उपलब्ध करवा रहे हैं।
बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी में भी कई बदलाव हुए हैं और इसके उप्रयोग भी बड़े हैं। टेक्नोलॉजी के वजह से शिक्षा लेने की पद्धति में भी बहुत से परिवर्तन देखने को मिले हैं। आज ऑनलाइन शिक्षा में उपयोग होने वाली शिक्षण संबंधित सामग्री, टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती है। ऑनलाइन शिक्षा से समय बचता है। साथ ही आप

शिक्षा को अपने घर में आराम से ले सकते हैं। बच्चे लगातार अपने शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षा से पढ़ने के नए तरीकों को सिखाते हैं और पढ़ने में भी रूचि रखते हैं। यही नहीं ऑनलाइन शिक्षा में ट्यूशन या बड़े-बड़े कोचिंग सेंटर का खर्चा भी बचता है। उदाहरण के लिए राजस्थान सरकार द्वारा स्माइल प्रोजेक्ट के तहत स्कूली बच्चों की व्हाट्सएप के माध्यम से रोजाना स्टडी मेटेरियल, विडियो, ऑडियो आदि पहुँचाए जाते हैं। इस नई पहल से शिक्षा व्यवस्था बाधित होने की बजाय अधिक आसान हुई है। बदलते अध्ययन वातावरण ने मनोरंजन को और भी रोमांचित बनाया हैं। थकान और अच्छी दैनिक लागत बचत ऑनलाइन शिक्षा के समय से बचाया जाता है। इसमें आप अपने वीडियों को फिर से देख सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन शिक्षा हमारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने PM e-Vidya नामक प्रोग्राम की शुरूआत की। अभी ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली पर अमल इतना नहीं हुआ है। कोरोना महामारी के चलते शिक्षण संस्थानों और छात्रों को इसके अनुरूप ढालना एक चुनौती के समान है। इंटरनेट स्पीड भी एक बड़ी समस्या है। शैक्षिक दूसरा कारण आज भी कई मध्यम वर्गीय परिवारों में स्मार्टफोन जैसी मूल सुविधा उपलब्ध नहीं है। पाठ्यक्रम की असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। आधुनिक युग में इसका उपयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा हैं। अगर देखा जाए तो शिक्षक और छात्र अधिकतर आठ घंटे ऑनलाइन समय बिताते हैं जो कि मानसिक और शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। दूसरा घर की आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण माता-पिता बच्चों को मोबाइल, लेपटॉप, कम्प्यूटर जैसी सुविधा उपलब्ध नहीं करा सकते। आज के इस डिजिटल युग में ऑनलाइन शिक्षा के प्रोत्साहन से छात्र नए-से-नए ज्ञान से परिचित हो सकेंगे।

(ii) आजकल की दुनिया में इंटरनेट ने हमारे जीवन को अद्वितीय तरीके से प्रभावित किया है। इसे तकनीक का एक अद्वितीय वरदान माना जा सकता है। इंटरनेट ने हमें एक नई दुनिया की ओर ले जाया है, जिसमें हम सूचनाओं की खान से जुड़ सकते हैं और जानकारी का बहुत सारा स्रोत है। इसके बिना हमारा जीवन सोचने के लिए अधूरा हो जाता।

इंटरनेट ने सूचनाओं की खान को एक सच्ची क्रांति का संकेत दिया है। पहले, सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए हमें पुस्तकें और समाचार पत्रिकाएँ ही उपलब्ध थीं, लेकिन अब हम इंटरनेट के माध्यम से जिस तरीके से सूचनाओं की खान से जुड़ सकते हैं, वह अद्भुत है। हम गूगल और अन्य खोज इंजन्स का उपयोग करके किसी भी विषय पर तुरंत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण तरीका है जिससे हम अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं।

इंटरनेट से हमें अनगिनत सूचना स्रोत मिलते हैं। हम विभिन्न वेबसाइट्स, वेब पोर्टल्स, ब्लॉग, सोशल मीडिया, और अन्य स्रोतों से सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ तक कि हम अपनी रुचि और आवश्यकताओं के हिसाब से विशेष तरीके से समाचार और जानकारी तक पहुँच सकते हैं। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हम अपनी रुचियों के हिसाब से जानकारी चुन सकते हैं।

इंटरनेट के आगमन के साथ हमें सजगता और विवेकपूर्णता की आवश्यकता हो गई है। इंटरनेट पर आपको अनगिनत जानकारी मिलती है, लेकिन यह भी असत्य और दुर्भाग्यपूर्ण जानकारी से भरा हो सकता है। इसलिए हमें सच्चाई की पुष्टि करने के लिए और सही जानकारी प्राप्त करने के

लिए सजग रहना चाहिए। हमें जानकारी के स्रोत की पुष्टि करनी चाहिए और अपने सोचने की क्षमता का प्रयोग करना चाहिए ताकि हम सही और सत्य की ओर बढ़ सकें।

(iii) **याद आता है विद्यालय का प्रांगण**

विद्यालय का प्रांगण विद्यालय के छात्रों के लिए एक जीवनशैली का हिस्सा होता है। यहाँ पर हम विद्यालय के प्रांगण के महत्वपूर्ण संकेत बिंदुओं की चर्चा करेंगे।

विद्यालय का प्रांगण छात्रों के लिए एक मनोरंजन का स्थल होता है, जहाँ वे अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं, हँसते-हँसाते वक्त गवा सकते हैं और अन्य मनोरंजन गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। यह स्थल छात्रों के लिए रिक्रेशन और आत्मा-सात की एक छवि प्रदान करता है।

विद्यालय का प्रांगण वो स्थल होता है जहाँ छात्र अपने मित्रों से मिलकर समय बिता सकते हैं। यहाँ छात्र दोस्तों के साथ बनाए गए सारे खुशियों और स्मृतियों का आनंद लेते हैं, जिन्हें वे जीवन भर के लिए साथ लेकर जाते हैं।

विद्यालय का प्रांगण एक जगह होती है जहाँ छात्र पढ़ाई करते हैं और अपनी शिक्षा में मेहनत करते हैं। यहाँ पर छात्र अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों की पढ़ाई करते हैं और अपने शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति करते हैं।

विद्यालय का प्रांगण छात्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन्हें समाज में उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने का मौका प्रदान करता है। यह छात्रों के लिए अद्वितीय और यादगार स्थल होता है, जो उनके विकास और सीखने के प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होता है।

13.

दिनांक: 20 अप्रैल, 20XX

सेवा में,

गोकुलधाम सोसायटी,

गोविंद नगर, दिल्ली।

विषय: मोहल्ले में आवारा पशुओं की वजह से हमारे मोहल्लेवासियों को तकलीफें हो रही हैं, इस समस्या का समाधान हेतु पत्र।

प्रिय नगरपालिका अध्यक्ष जी,

नमस्ते। मैं आपको यहाँ से एक गंभीर समस्या के बारे में सूचित करना चाहता हूँ जिससे हमारे मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। इन पशुओं की वजह से हमारे निवासियों को तकलीफें हो रही हैं और उनके साथ ही ये पशु भी समस्याओं में फंसे हुए हैं।

यह समस्या समाधान के लिए हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप उचित कदम उठाएं जैसे कि पशुओं के लिए एक अलग स्थान प्रदान करना, उनके आहार और स्वास्थ्य की देखभाल के लिए उपायों का आयोजन करना आदि। इससे हमारे मोहल्ले के निवासियों और पशुओं दोनों की समस्याएं कम हो सकेंगी।

कृपया इस समस्या का समाधान निकालने के लिए आवश्यक कदम उठाने का प्रयास करें। हम आपकी सकारात्मक सहयोग की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

धन्यवाद,

Vineet Coaching & Guidance Centre Aligarh

राथेश्याम/रुक्मिणी
27/6-बी, क.ख.ग. नगर

अथवा

76, पिंकसिटी,
जयपुर।
दिनांक : 05-03-2019
प्रिय मित्र राहुल
सप्रेम नमस्कार।
तुम्हारा आमन्त्रण पत्र मिला, जिससे ज्ञात हुआ कि आपके पिताजी ने नया आवास बनवाया है और आपने गृह प्रवेश के कार्यक्रम पर मुझे आमन्त्रित किया है। सर्वप्रथम, अपने नए मकान के गृह-प्रवेश के अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई स्वीकारें। साथ ही खेद भी है कि मैं इस सुअवसर पर सम्मिलित होने में असमर्थ हूँ। कारण यह है कि उसी दिन विद्यालय में मेरी विज्ञान प्रदर्शनी है। जिसके अंक भी वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल में जोड़े जायेंगे। मैं चाहकर भी आपके यहाँ आने में असमर्थ हूँ। अतः क्षमा करना। मेरी ओर से शुभकामनाएँ और बधाई स्वीकार करें। समय मिलते ही मैं शीघ्र ही आपसे मिलने आपके नए घर आऊँगा। चाचाजी एवं चाचीजी को मेरा सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र
हरीश

14. From: pawan@mycbseguide.com
To: xyzschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध
महोदय,
जैसा कि आपको विदित है कि आगामी मास में जिले स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है जिसमें हमारा विद्यालय भी भाग ले रहा है। हालांकि उपलब्ध साधनों से हमने अभ्यास किया है किन्तु वह पर्याप्त नहीं है। यह अनुरोध हम आपसे कर रहे हैं कि कृपया खिलाड़ियों की खेल सुविधाओं एवं सामग्री में कोई कमी न की जाए तथा खेल गतिविधियों हेतु अधिक फंड निधि की व्यवस्था की जाए ताकि आने वाली प्रतियोगिता में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें और विद्यालय का नाम रौशन कर सकें।
आशा है आप हम खिलाड़ियों के इस अनुरोध को स्वीकार करने की कृपा करेंगे।
पवन

अथवा

एक बार मैं और मेरा दोस्त राजेश समुद्र के पास बैठे थे। यद्यपि राजेश मुझसे उम्र में काफी बड़ा था परन्तु हम दोनों में गहरी मित्रता थी। हर रविवार को छुट्टी के दिन हम समुद्र तट पर जाते और कुछ देर तैरते। राजेश ठीक-ठाक तैर लेता था जबकि मैं गहरे पानी में तैरना अभी नहीं सीख पाया था। तभी हमने एक लड़का जिसकी उम्र लगभग नौ वर्ष थी, को बार-बार पानी के पास जाते और फिर

Vibeet Coaching & Guidance Centre Aligarh

डरकर वापस आते देखा। उसे देख हमें हँसी आ गयी। फिर हम वहाँ से उठकर भेलपूरी लेने चले गये। लौटकर आये तो देखा एक आदमी किनारे खड़ा 'बचाओ-बचाओ' चिल्ला रहा था। समुद्र की तरफ देखने पर पता चला कि यह वही बालक है जिसे हमने थोड़ी देर पहले समुद्र के पास खेलते देखा था। मुझे गहरे पानी में तैरने का अनुभव न था लेकिन तभी राजेश ने अपनी कमीज उतार कर पानी में छलांग लगा दी। तब तक काफी भीड़ भी इकट्ठी हो गयी। हमने फोन कर एंबुलेंस भी मँगवा ली, लेकिन राजेश और वह लड़का कहीं दिखाई नहीं दे रहा थे। अनिष्टा की शंका से मेरा दिल जोर से धड़कने लगा तभी हमने उन्हें किनारे की तरफ आते देखा। वह बच्चा सही सलामत था, लेकिन राजेश किनारे तक पहुँचते-पहुँचते बेहोश हो गया। तुरन्त हम उसे अस्पताल ले गये। कुछ देर बाद राजेश को होश आ गया। राजेश को होश में देख मेरी जान में जान आ गयी। तब तक राजेश व मेरे माता-पिता भी वहाँ पहुँच गये थे। सारी बात जानकर सबने राजेश की प्रशंसा की कि उसने अपनी जान जोखिम में डालकर उस बच्चे की मदद की।

सच ही कहा है-"वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।"

सीख- वास्तव में वही मनुष्य है जो दूसरों की संकट में सहायता करे अतः हमें भी परोपकार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए।

15. **देवेन्द्र** - हेलो गौरव ! कैसे हो ? तुम्हारी तैयारी हो गई।

गौरव - हाँ मित्र ! बस हो ही गई है। व्याकरण का एक टॉपिक संधि पुनरावृत्ति के लिए रह गया है वह भी जल्दी से कर लेता हूँ।

देवेन्द्र - अच्छा तुम्हें पदबंध की पहचान याद है क्या?

गौरव - हाँ, पदबंध की पहचान तो बहुत ही सरल है। यदि रेखांकित शब्दों के अंत में संज्ञा शब्द हो तो संज्ञा पदबंध और यदि विशेषण शब्द हो तो विशेषण पदबंध होता है।

देवेन्द्र -ये तो सरल हैं पर क्रिया पदबंध में मुझे कठिनाई आती है। क्या तुम उसे मुझे समझा सकते हो ?

गौरव - अरे मित्र ! इसमें कुछ नहीं है । जैसे-नाव उफनती नदी में डूबती चली गई। यहाँ 'डूबती चली गई' शब्द क्रियापद हैं इसलिए यह क्रिया पदबंध है।

देवेन्द्र - धन्यवाद! क्रियाविशेषण व सर्वनाम पदबंध मुझे आते हैं। चलो अब मैं तुम्हे संधि बताता हूँ। तुम्हारी भी पुनरावृत्ति हो जाएगी।

गौरव - हाँ, जल्दी बताओ, परीक्षा शुरू होनेवाली है।

देवेन्द्र - यदि जोड़ने पर आ, ई, ऊ हों तो दीर्घ; ए, ओ, अर हों तो गुण; ऐ, औ हों तो वृद्धि ; अय्, आय्, अव्, आव् हों तो अयादि संधि होती है।

गौरव - धन्यवाद मित्र ! तुमने तो बड़ी आसानी से संधि समझा दी। अब चलो, परीक्षा शुरू होने ही वाली है।

देवेन्द्र - हाँ मित्र ! चलो चलते हैं ।

गौरव - आल दा बेस्ट मित्र

देवेन्द्र- तुम्हें भी मित्र, धन्यवाद।

अथवा

बसंत पब्लिक स्कूल

सूचना

BEST OF LUCK @vcgc.aligarh @vcgc_aligarh @VCGC Aligarh VCGC Online VCGC Online App

दिनांक: 20 सितम्बर 2023
मुझे खुशी है कि मैं आपको सूचित कर रहा/रही हूँ कि हमारे विद्यालय में आने वाले सप्ताह को 'हिन्दी पखवाड़ा' के रूप में मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य हमारे छात्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रति रुझान बढ़ाना है। हमने विभिन्न कार्यक्रमों, भाषण प्रतियोगिताओं, और हिन्दी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना प्लान किया है। यह हमारे छात्रों के लिए एक शौकीनता भरा समय होगा जहां वे अपनी हिन्दी भाषा कौशल में सुधार करेंगे। हम सभी का स्वागत है इस पखवाड़े में भाग लेने के लिए!
धन्यवाद,
नीरज (नव संस्कृति विद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष/की अध्यक्षा)

Vineet Coaching & Guidance Centre
Aligarh